ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–68
दिनांक– मंगलवार, 09 सितम्बर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.7 एवं 25.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 75.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 07.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.5 एवं दोपहर में 38.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 9.2 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(10–14 सितम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 10 से 14 सितम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि के दौरान उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे। उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर अगले 2–3 दिनों में हल्की वर्षा होने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है। वर्षा के दौरान तेज हवा चलने और कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85–95 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 60–65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- अगात बोयी गई धान की फसल जो गाभा निकलने की अवस्था में आ गयी हो, उसमें वर्षा के बाद 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेषन करें। धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की नियमित रुप से निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ दोनों जब पौधों में बाली निकलती है तो यह बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक–एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है।
- पिछात बोयी गई धान की फसल जो कल्ले बनने की अवस्था में हो, में 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। कहीं–कहीं अगात बोयी गई धान की फसल जो बाली निकलने की अवस्था में आ गई हो, में 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- गन्ना की फसल में स्थम्भन करे। इसके लिए एक पंक्ति की गन्ना को दूसरे पंक्ति के तरफ झुकाते हुए पत्ती–रस्सी विधि से गन्ने की बंधाई करनी चाहिए गन्ना बंधाई के लिए नीचली सूखी पत्तियों और कुछ हरी पत्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस विधि से गन्ना की बंधाई करने पर हथिया नक्षत्र की तेज हवा और बारिश के समय गन्ना गिरने से बच जाता है।
- स्वस्थ एवं सुडौल आकार वाली सब्जियों के उत्पादन के लिए किसान भाई ट्राइकोडरमा खाद से मृदा उपचार कर सब्जियों की रोपाई करें। सब्जियों की नर्सरी, प्याज, फूलगोभी, हल्दी, मिर्च, बैगन में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई एवं सिंचाई करें। कीट–व्याधि की नियमित रुप से निगरानी करें।
- टमाटर की नर्सरी उथली क्यारियों में पंक्तियों में गिरावें। इसके लिए अर्का विकास, अर्का अभेद, अर्का अभिजीत, अर्का सौरभ, संकर किस्मे – अर्का सम्राट, अर्का अपेक्षा, पूसा दिव्या अर्का, वरदान, मिर्च, बैगन, टमाटर की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है जिससे पौध के पत्ते टेढ़े–मेढ़े होकर सिकुड़कर रोगग्रस्त हो जाते है। यह बड़ी तेजी से एक–पौधें से दूसरे पौधे में फैलता है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें।
- मूली की अगात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त आदि प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर 4 से 5 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा 25X10 से0मी0 की दूरी पर बुआई करें।
- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पूसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुशंसित है।

आज का अधिकतम तापमानः 31.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी